|  |
| --- |
| 07. Januar 2024 |
| **Fest der Taufe des Herrn B** |
| Erste Lesung: Jes 42,5a.1-4.6-7 oder Jes, 55,1-11; Zweite Lesung: Apg 10,34-38 oder 1 Joh 5,1-0; Evangelium: Mk 1,7-11 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 615, 1+4+5 | Du Licht des Himmels (Morgenlied) |
|  | GL 252, 5-7 | Der Sohn des Vaters |
| Taufgedächtnis: | GL 491, 1+2 | Ich bin getauft |
|  |  |  |
| Kyrie: | Entfällt bei Taufgedächtnis und beim |
|  | Eröffnungsgesang GL 252 |
|  | GL 160 | Gott des Vaters ewger Sohn |
| Gloria: | GL 251, 1+2 | Jauchzet ihr Himmel |
|  | GL167 | Dir Gott im Himmel |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | nach Jes 42: Ps 29, 1-2.3ac-4.3b u. 9b-10 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 263 | Seht, unser König kommt |
|  | nach Jes 55: Jes 12,2.3 u. 4bcd.5-6 |
|  | Kehrvers: |
|  | GL 312, 6 | Freudig lasst uns schöpfen |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 219 | Mache dich auf (Kanon) |
|  | oder |  |
|  | GL 736, 3+4 | Freue dich, Jerusalem |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Johannes sah Jesus auf sich zukommen und sagte:* |
|  | *Seht, das Lamm Gottes, das die Sünde der Welt*  |
|  | *hinwegnimmt.* |
|  |  |
|  | oder |  |
|  | GL 483, 1 | Ihr seid das Volk |
|  |  |  |
| Credo: | GL 794 | Wir glauben, Herr  |
|  | GL 802 | Den Taufbund wir erneuern |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 240, 1-4 | Hört, es singt und klingt |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 193 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 357, 1+2+5 | Wie schön leuchtet der Morgenstern |
|  | GL 372, 1+3+5 | Morgenstern der finstern Nacht |
| Schluss: | GL 489, 1-3 | Lasst uns loben, freudig loben |